

व्यावसायिक पर्यावरण

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» व्यावसायिक पर्यावरण का अर्थ

प्रश्न 1 (आसान). सही या गलत बताओ: एक फैक्ट्री की मशीनें 'व्यावसायिक पर्यावरण' का हिस्सा होती हैं।

उत्तर – गलत।

प्रश्न 2 (आसान). क्या ग्राहकों की बदलती पसंद व्यावसायिक पर्यावरण का हिस्सा है?

उत्तर – हाँ।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर सरकार विदेशी कंपनियों को भारत में काम करने की ज़्यादा छूट दे दे, तो क्या यह 'व्यावसायिक पर्यावरण' का हिस्सा होगा? क्यों?

उत्तर – हाँ, यह व्यावसायिक पर्यावरण का हिस्सा होगा। क्योंकि सरकार एक बाहरी संस्था है और उसकी नीतियाँ बिज़नेस को प्रभावित करती हैं।

प्रश्न 4 (कठिन). आपके हिसाब से, एक मोबाइल कंपनी के लिए 'व्यावसायिक पर्यावरण' के तीन मुख्य घटक क्या हो सकते हैं और क्यों?

उत्तर – 1. तकनीकी बदलाव (नए फ़ोन मॉडल्स, 5G जैसी तकनीकें, क्योंकि ये उनके प्रोडक्ट को प्रभावित करते हैं)। 2. ग्राहक (उनकी पसंद, खरीदने की क्षमता, क्योंकि उन्हीं को प्रोडक्ट बेचना है)। 3. प्रतियोगी (दूसरी मोबाइल कंपनियाँ, क्योंकि वे बाज़ार में हिस्सेदारी के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं)। ये सभी कंपनी के बाहर होते हुए भी उसके संचालन को प्रभावित करते हैं।

» व्यावसायिक पर्यावरण की विशेषताएँ

प्रश्न 5 (आसान). निम्नलिखित में से कौन-सी व्यावसायिक पर्यावरण की एक विशेषता है: (a) सिर्फ़ आंतरिक शक्तियाँ (b) सिर्फ़ आर्थिक शक्तियाँ (c) गतिशील प्रकृति (d) हमेशा निश्चितता

उत्तर – (c) गतिशील प्रकृति

प्रश्न 6 (आसान). क्या ग्राहकों की पसंद बदलना व्यावसायिक पर्यावरण की 'गतिशील प्रकृति' को दर्शाता है?

उत्तर – हाँ

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर सरकार कोई नया कानून बनाती है जिससे व्यापार प्रभावित होता है, तो यह पर्यावरण की किस विशेषता को दर्शाता है? स्पष्ट करें।

उत्तर – यह 'बाह्य शक्तियों की समग्रता' और 'विशिष्ट एवं साधारण शक्तियाँ' दोनों को दर्शाता है। सरकार का कानून एक 'साधारण शक्ति' है जो कई व्यवसायों को प्रभावित करता है।

प्रश्न 8 (कठिन). एक उदाहरण देकर समझाएँ कि व्यावसायिक पर्यावरण की 'जटिलता' का क्या मतलब है और यह व्यवसायों के लिए चुनौती क्यों है?

उत्तर – जटिलता का मतलब है कि पर्यावरण के अलग-अलग हिस्से आपस में बहुत गहराई से जुड़े होते हैं और उन्हें अलग-अलग करके समझना मुश्किल होता है। उदाहरण के लिए, किसी उत्पाद की मांग में बदलाव सिर्फ़ ग्राहकों की पसंद से नहीं होता, इसमें सरकार की नीतियाँ, नई तकनीक, आर्थिक स्थिति और सामाजिक ट्रेन्ड्स – सब मिलकर प्रभाव डालते हैं। यह व्यवसायों के लिए चुनौती इसलिए है क्योंकि वे समझ नहीं पाते कि कौन सा कारक कितना असर डाल रहा है और फिर सही निर्णय लेना मुश्किल हो जाता है।

» व्यावसायिक पर्यावरण का महत्व

प्रश्न 9 (आसान). अगर सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा दे तो ट्रांसपोर्ट कंपनी के लिए यह व्यावसायिक पर्यावरण का कौन सा महत्व दर्शाएगा?

उत्तर – खतरों की पहचान

प्रश्न 10 (आसान). एक मिठाई की दुकान ने देखा कि लोग अब शुगर-फ्री मिठाई पसंद कर रहे हैं। उन्होंने शुगर-फ्री मिठाई बनाना शुरू कर दिया। यह व्यावसायिक पर्यावरण के किस महत्व को दर्शाता है?

उत्तर – अवसरों की पहचान

प्रश्न 11 (मध्यम). एक कपड़े की दुकान का मालिक देखता है कि उसके शहर में एक नया शॉपिंग मॉल खुलने वाला है जिसमें कई बड़े ब्रांड की दुकानें होंगी। उसे इस जानकारी का उपयोग व्यावसायिक पर्यावरण के महत्व के अनुसार कैसे करना चाहिए?

उत्तर – उसे इसे 'खतरा' समझना चाहिए और अपनी दुकान के लिए 'योजना और नीति निर्धारण' करना चाहिए, जैसे अपने कपड़े सस्ते करना, ग्राहकों को बेहतर सेवा देना या नए प्रकार के कपड़े लाना।

प्रश्न 12 (कठिन). एक नई ऑनलाइन एजुकेशन कंपनी देख रही है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुँच बढ़ रही है लेकिन अच्छी शिक्षा की कमी है। व्यावसायिक पर्यावरण के महत्व के सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए, वे क्या रणनीति बना सकते हैं?

उत्तर – वे इसे 'अवसर' के रूप में देखेंगे, ग्रामीण छात्रों के लिए सस्ते ऑनलाइन कोर्स बनाएंगे ('संसाधनों का दोहन' और 'नियोजन'), क्षेत्रीय भाषाओं में कंटेंट तैयार करेंगे ('परिवर्तनों का सामना'), और प्रतिस्पर्धा से आगे निकलने के लिए अपनी सेवाओं में लगातार सुधार करेंगे ('निष्पादन में सुधार')। अगर कोई सरकारी नियम ग्रामीण शिक्षा पर आता है तो उसे 'खतरे' के रूप में देखकर अपनी नीति में बदलाव करेंगे।

» आर्थिक पर्यावरण

प्रश्न 13 (आसान). निम्न में से कौन-सा आर्थिक पर्यावरण का हिस्सा है: त्योहारों पर मिठाई की बिक्री, या बैंक की ब्याज दर?

उत्तर – बैंक की ब्याज दर।

प्रश्न 14 (आसान). अगर देश में महंगाई बढ़ जाए, तो क्या लोगों की खरीदने की शक्ति बढ़ती है या घटती है?

उत्तर – घटती है।

प्रश्न 15 (मध्यम). सरकार ने एक नया कानून बनाया कि सभी कंपनियों को अपने कर्मचारियों को ज्यादा वेतन देना होगा। यह व्यावसायिक पर्यावरण के किस आयाम का हिस्सा है, और क्यों?

उत्तर – यह 'आर्थिक पर्यावरण' का हिस्सा है, क्योंकि ज्यादा वेतन मतलब कंपनियों का खर्च बढ़ेगा और कर्मचारियों की प्रयोज्य आय बढ़ेगी, दोनों ही पैसे से जुड़े कारक हैं।

प्रश्न 16 (कठिन). यदि रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले गिर जाए, तो भारत से विदेश में सामान भेजने वाले (निर्यातक) और विदेश से सामान मंगाने वाले (आयातक) व्यवसायों पर क्या अलग-अलग असर पड़ेगा?

उत्तर – अगर रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले गिर जाए, तो निर्यातकों को फायदा होगा क्योंकि उनके सामान विदेश में सस्ते लगेंगे और उन्हें ज्यादा रुपये मिलेंगे। आयातकों को नुकसान होगा क्योंकि उन्हें वही सामान मंगाने के लिए ज्यादा रुपये खर्च करने पड़ेंगे।

» सामाजिक पर्यावरण

प्रश्न 17 (आसान). अगर भारत में लोग फिर से ज्यादा ट्रेडिशनल कपड़े पहनने लगे, तो कपड़े बनाने वाली कंपनी को अपने प्रोडक्ट्स में क्या बदलाव करने होंगे?

उत्तर – उन्हें ट्रेडिशनल कपड़ों की ज्यादा वैरायटी बनानी होगी और वेस्टर्न कपड़ों का उत्पादन कम करना होगा।

प्रश्न 18 (आसान). दीपावली पर मिठाइयों की बिक्री बहुत बढ़ जाती है। यह किस पर्यावरण का उदाहरण है?

उत्तर – सामाजिक पर्यावरण (रीति-रिवाज के कारण)।

प्रश्न 19 (मध्यम). आजकल माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा पर बहुत ध्यान देते हैं। यह सामाजिक पर्यावरण का कौन सा पहलू है और इससे कौन से बिज़नेस को फायदा होगा?

उत्तर – यह 'सामाजिक मूल्य' और 'समाज की अपेक्षा' का पहलू है। इससे कोचिंग सेंटर, स्कूल, किताबों की दुकानें और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म जैसे बिज़नेस को फायदा होगा।

प्रश्न 20 (कठिन). एक कंपनी साबुन बेचती है। अगर सरकार 'स्वच्छ भारत अभियान' चलाती है और लोग हाथ धोना ज़्यादा ज़रूरी समझने लगते हैं, तो यह किस पर्यावरण का उदाहरण होगा? कंपनी को क्या करना चाहिए?

उत्तर – यह सामाजिक पर्यावरण (सामाजिक बदलाव और स्वास्थ्य जागरूकता) का उदाहरण होगा। कंपनी को अपने साबुन के विज्ञापनों में 'स्वच्छता' और 'हाथ धोने' के महत्व पर जोर देना चाहिए और शायद एंटी-बैक्टीरियल साबुनों पर भी ध्यान देना चाहिए।

» प्रौद्योगिकीय पर्यावरण

प्रश्न 21 (आसान). प्रौद्योगिकीय पर्यावरण का मुख्य तत्व क्या है?

उत्तर – वैज्ञानिक सुधार और नए आविष्कार।

प्रश्न 22 (आसान). अगर कोई कंपनी अपने प्रोडक्ट बनाने का नया और तेज़ तरीका अपनाती है, तो यह किस पर्यावरण का हिस्सा है?

उत्तर – प्रौद्योगिकीय पर्यावरण का।

प्रश्न 23 (मध्यम). टेलीविजन से स्मार्ट टीवी तक का सफर प्रौद्योगिकीय पर्यावरण में किस बदलाव को दर्शाता है?

उत्तर – यह उत्पादन के नए तरीके, बेहतर तकनीक और ग्राहक अनुभव में सुधार को दर्शाता है।

प्रश्न 24 (कठिन). आजकल AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और मशीन लर्निंग बिज़नेस को कैसे प्रभावित कर रहे हैं? यह प्रौद्योगिकीय पर्यावरण का उदाहरण कैसे है?

उत्तर – AI और मशीन लर्निंग नए बिज़नेस मॉडल, ग्राहक सेवा के नए तरीके (जैसे चैटबॉट), डेटा एनालिसिस और ऑटोमेशन ला रहे हैं। ये सब वैज्ञानिक नवाचार हैं जो बिज़नेस के संचालन की पूरी पद्धति को बदल रहे हैं, इसलिए यह प्रौद्योगिकीय पर्यावरण का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

» राजनैतिक पर्यावरण

प्रश्न 25 (आसान). अगर देश में कोई बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल हो, तो क्या यह राजनैतिक पर्यावरण का हिस्सा होगा?

उत्तर – हाँ, बिल्कुल।

प्रश्न 26 (आसान). क्या सरकार का किसी नए उद्योग को बढ़ावा देना राजनैतिक पर्यावरण में आता है?

उत्तर – हाँ, यह भी राजनैतिक पर्यावरण का हिस्सा है, क्योंकि यह सरकार की नीति है।

प्रश्न 27 (मध्यम). सरकार ने फैसला किया कि अब से सभी सरकारी टेंडर में सिर्फ़ वही कंपनियाँ भाग ले सकती हैं, जो कम से कम 50% महिला कर्मचारियों को रखती हों। यह किस पर्यावरण का हिस्सा है और क्यों?

उत्तर – यह राजनैतिक पर्यावरण का हिस्सा है, क्योंकि यह सरकार की एक नीति या निर्णय है जो बिज़नेस पर असर डाल रहा है।

प्रश्न 28 (कठिन). एक देश में पिछले पाँच साल में तीन बार सरकार बदल चुकी है, और हर नई सरकार ने पिछले सरकार की आर्थिक नीतियों को पूरी तरह पलट दिया है। इससे उस देश के बिज़नेस पर क्या असर पड़ेगा और यह किस पर्यावरण से जुड़ा है?

उत्तर – इससे बिज़नेस में अस्थिरता और अनिश्चितता आएगी। कंपनियाँ निवेश करने से डरेंगी, क्योंकि उन्हें नहीं पता कि अगली सरकार क्या नियम ले आएगी। यह राजनैतिक पर्यावरण से जुड़ा है क्योंकि यह 'देश में सामान्य स्थिरता' को प्रभावित कर रहा है।

» विधिक पर्यावरण

प्रश्न 29 (आसान). निम्नलिखित में से कौन-सा विधिक पर्यावरण का एक हिस्सा है? (a) लोगों की आय (b) शेयर बाजार (c) कोर्ट का फैसला (d) महंगाई दर

उत्तर – (c) कोर्ट का फैसला

प्रश्न 30 (आसान). क्या किसी बिज़नेस के लिए सरकारी नियमों का पालन करना अनिवार्य है?

उत्तर – हाँ, बिल्कुल अनिवार्य है।

प्रश्न 31 (मध्यम). एक खिलौने बनाने वाली कंपनी को बच्चों के खिलौनों में किन कानूनी बातों का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर – उसे 'बाल श्रम' कानून का पालन करना होगा, खिलौनों की सुरक्षा से जुड़े मानक (जैसे जहरीले रंग या छोटे पुर्जे न हों) पूरे करने होंगे, और 'उपभोक्ता संरक्षण' नियमों के तहत गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी।

प्रश्न 32 (कठिन). अगर कोई कंपनी 'पर्यावरण संरक्षण अधिनियम' के नियमों का उल्लंघन करती है, तो उस पर विधिक पर्यावरण का क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर – कंपनी पर भारी जुर्माना लग सकता है, उसका लाइसेंस रद्द हो सकता है, और कानूनी कार्रवाई के तहत कंपनी के अधिकारियों को जेल भी हो सकती है। इससे उसकी बाज़ार में छवि (reputation) भी खराब होगी।

» भारत में आर्थिक पर्यावरण का विकास (स्वतंत्रता के बाद)

प्रश्न 33 (आसान). आज़ादी के समय भारत की कितनी प्रतिशत जनसंख्या गांवों में रहती थी?

उत्तर – 80 प्रतिशत

प्रश्न 34 (आसान). स्वतंत्रता के बाद सरकार का एक मुख्य उद्देश्य क्या था?

उत्तर – उच्च जीवन स्तर और तीव्र आर्थिक विकास

प्रश्न 35 (मध्यम). स्वतंत्रता के बाद सरकार ने आर्थिक विकास के लिए कौन से दो महत्वपूर्ण कदम उठाए?

उत्तर – उद्योगों पर राज्य का नियंत्रण और केंद्रीय नियोजन को अपनाया।

प्रश्न 36 (कठिन). स्वतंत्रता के बाद भारत की अर्थव्यवस्था की 'ग्रामीण प्रकृति' का क्या अर्थ है?

उत्तर – इसका अर्थ है कि अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खेती पर आधारित थी, ज्यादातर लोग गांवों में रहते थे और कृषि से ही अपनी आजीविका कमाते थे, शहरों में उद्योग बहुत कम थे।

» 1991 का आर्थिक संकट

प्रश्न 37 (आसान). 1991 का आर्थिक संकट किस देश में आया था?

उत्तर – भारत में।

प्रश्न 38 (आसान). 1991 के संकट का एक प्रमुख कारण क्या था, जिससे सरकार की आय कम हो गई थी?

उत्तर – राजस्व संकट।

प्रश्न 39 (मध्यम). अगर भारत के पास विदेश से सामान खरीदने के लिए डॉलर कम पड़ जाएँ, तो इस स्थिति को क्या कहेंगे?

उत्तर – विदेशी मुद्रा की कमी।

प्रश्न 40 (कठिन). 1991 के संकट के समय भारत सरकार को अपने कौन से बहुमूल्य संसाधन को गिरवी रखना पड़ा था?

उत्तर – सोना।

» उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (LPG)

प्रश्न 41 (आसान). लाइसेंस राज की समाप्ति किस आर्थिक सुधार का हिस्सा है?

उत्तर – उदारीकरण

प्रश्न 42 (आसान). सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को निजी क्षेत्र को बेचना क्या कहलाता है?

उत्तर – निजीकरण (विनिवेश)

प्रश्न 43 (मध्यम). आजकल विदेशी कंपनियां भारत में आसानी से निवेश कर पा रही हैं, यह किस आर्थिक सुधार का परिणाम है?

उत्तर – वैश्वीकरण

प्रश्न 44 (कठिन). 1991 से पहले भारत में व्यापार करना कठिन क्यों था, और LPG मॉडल ने उस समस्या को कैसे हल किया?

उत्तर – 1991 से पहले 'लाइसेंस राज' था, बहुत सारे सरकारी प्रतिबंध और नियंत्रण थे। LPG मॉडल (उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण) ने इन प्रतिबंधों को हटाकर, निजी क्षेत्र को बढ़ावा देकर और विदेशी व्यापार के द्वार खोलकर व्यापार को आसान बनाया।

» विमुद्रीकरण (Demonetization)

प्रश्न 45 (आसान). विमुद्रीकरण कब घोषित किया गया था?

उत्तर – 8 नवंबर, 2016 को।

प्रश्न 46 (आसान). विमुद्रीकरण में कौन से नोट बंद किए गए थे?

उत्तर – 500 और 1000 रुपये के पुराने नोट।

प्रश्न 47 (मध्यम). विमुद्रीकरण के किन्हीं दो उद्देश्यों को संक्षेप में बताइए।

उत्तर – भ्रष्टाचार को रोकना और काले धन के संचय पर अंकुश लगाना।

प्रश्न 48 (कठिन). विमुद्रीकरण को कर प्रशासन उपाय के रूप में क्यों देखा गया?

उत्तर – क्योंकि इससे लोगों को अपनी अघोषित आय (काला धन) बैंकों में जमा करानी पड़ी और उस पर जुर्माना सहित कर चुकाना पड़ा, जिससे टैक्स सिस्टम में पारदर्शिता आई और सरकार की आय बढ़ी।

» विमुद्रीकरण के प्रभाव

प्रश्न 49 (आसान). विमुद्रीकरण से बैंक जमाओं पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर – बैंक जमाओं में वृद्धि हुई।

प्रश्न 50 (आसान). विमुद्रीकरण के बाद किस प्रकार के लेन-देनों में कमी आई?

उत्तर – रोकड़ (कैश) लेन-देनों में कमी आई।

प्रश्न 51 (मध्यम). विमुद्रीकरण से निजी संपत्ति के मूल्यों पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट करें।

उत्तर – विमुद्रीकरण से भूमि-भवन (रियल एस्टेट) जैसे निजी संपत्ति के मूल्यों में कमी आई, क्योंकि काले धन को सफेद करने की संभावनाएँ कम हो गईं और लोग नकद में बड़ी डीलस करने से कतराने लगे।

प्रश्न 52 (कठिन). विमुद्रीकरण ने कर संग्रह में वृद्धि कैसे की?

उत्तर – विमुद्रीकरण के बाद लोगों को अपने पुराने नोट बैंक में जमा कराने पड़े, जिससे उनके पास मौजूद 'अप्रकट आय' (काला धन) का खुलासा हुआ। सरकार ने इस पर टैक्स लगाया और भविष्य में भी कर चोरी रोकने के लिए सख्ती बढ़ाई, जिससे आयकर संग्रह में वृद्धि हुई।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक कपड़े की दुकान है। सरकार अचानक कपड़ों पर जीएसटी बढ़ा देती है। ग्राहक नए फैशन के कपड़े ज़्यादा पसंद करने लगे हैं। समझाइए कि ये दोनों बातें 'व्यावसायिक पर्यावरण' का हिस्सा कैसे हैं।

› पहला, जीएसटी (GST) बढ़ाना: यह 'सरकार' द्वारा लिया गया एक 'आर्थिक' फैसला है। सरकार एक बाहरी संस्था है जो बिज़नेस के बाहर काम करती है।

› दूसरा, ग्राहकों के फैशन में बदलाव: यह 'सामाजिक' और 'ग्राहक' से जुड़ा बदलाव है। ग्राहक और उनकी पसंद बिज़नेस के बाहर के 'व्यक्ति' और 'शक्तियाँ' हैं।

› ये दोनों ही बिज़नेस के बाहर हैं, लेकिन कपड़े की दुकान के कपड़ों की कीमत, स्टॉक और बिक्री को सीधे प्रभावित करेंगे।

› इसलिए, ये दोनों ही 'व्यावसायिक पर्यावरण' के घटक हैं।

उत्तर – सरकार का जीएसटी बढ़ाना और ग्राहकों के फैशन में बदलाव, दोनों ही बाहरी कारक होने के कारण 'व्यावसायिक पर्यावरण' का हिस्सा हैं।

उदाहरण 2. मारुति सुजुकी ने भारत में छोटी कारों की ज़रूरत को कैसे पहचाना और इससे उसे क्या फायदा हुआ?

› मारुति ने देखा कि भारत में पेट्रोल की कीमतें बढ़ रही थीं और मध्यम वर्ग के लोगों की संख्या भी बढ़ रही थी।

› लोगों को ऐसी गाड़ी चाहिए थी जो सस्ती हो और कम पेट्रोल पिए।

› मारुति ने इस 'ज़रूरत' को पहचाना जो उसके व्यावसायिक पर्यावरण का एक हिस्सा थी।

› उन्होंने तुरंत छोटी कारें बनाना शुरू किया और बाज़ार में सबसे पहले इस अवसर का फायदा उठाया।

› परिणामस्वरूप, मारुति उद्योग भारत में छोटी कार बाज़ार का शीर्ष खिलाड़ी बन गया।

› इसने उन्हें प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने और भारी सफलता हासिल करने में मदद की।

› यह दिखाता है कि कैसे पर्यावरण को समझना व्यवसाय को आगे बढ़ाता है।

उत्तर – मारुति ने पेट्रोल की बढ़ती कीमतों और भारतीय मध्यम वर्ग की ज़रूरतों को समझा, छोटी कारों का निर्माण किया और बाज़ार में सबसे पहले अवसर का लाभ उठाकर शीर्ष पर पहुँच गई।

उदाहरण 3. एक छोटा मोबाइल रिपेयर शॉप मालिक (रमेश) देखता है कि उसके इलाके में धीरे-धीरे स्मार्टफोन ज़्यादा बिक रहे हैं और लोग पुराने बटन वाले फ़ोन कम इस्तेमाल कर रहे हैं। उसे व्यावसायिक पर्यावरण के महत्व के आधार पर क्या कदम उठाने चाहिए?

› पहला कदम: 'अवसरों की पहचान' - रमेश को दिख रहा है कि स्मार्टफोन का बाज़ार बढ़ रहा है, तो उसके लिए स्मार्टफोन रिपेयरिंग सीखना एक बड़ा अवसर है।

› दूसरा कदम: 'खतरों की पहचान' - अगर वह सिर्फ पुराने फ़ोन ही ठीक करता रहा तो उसका बिज़नेस ठप्प हो जाएगा, क्योंकि उनकी संख्या कम हो रही है। यह उसके लिए एक खतरा है।

› तीसरा कदम: 'संसाधनों का दोहन' - उसे नए स्मार्टफोन के पार्ट्स कहाँ से मिलेंगे, नए टूल्स कौन से चाहिए, और सीखने के लिए कौन सा कोर्स कर सकता है, इन 'संसाधनों' को उसे खोजना होगा।

› चौथा कदम: 'परिवर्तनों का सामना करना' - उसे इस बदलते ट्रेंड को स्वीकार करना होगा और अपनी दुकान को सिर्फ पुराने फ़ोन की जगह स्मार्टफोन रिपेयरिंग के लिए तैयार करना होगा।

› पांचवां कदम: 'नियोजन एवं नीति निर्धारण में सहायता' - वह योजना बनाएगा कि अगले 6 महीने में वह स्मार्टफोन रिपेयरिंग सीखेगा, नए टूल्स खरीदेगा और फिर अपनी दुकान में ये सेवाएं भी देगा।

› छठा कदम: 'निष्पादन में सुधार' - इन सभी कदमों से उसकी दुकान का काम बेहतर होगा, ग्राहक बढ़ेंगे और उसकी कमाई भी बढ़ेगी।

उत्तर – रमेश को स्मार्टफोन रिपेयरिंग सीखनी चाहिए, उसके लिए ज़रूरी संसाधन जुटाने चाहिए, अपनी दुकान में बदलाव करने चाहिए और अपनी सेवाओं का विस्तार करना चाहिए ताकि वह बदलते बाज़ार के साथ चल सके और अपने व्यापार का निष्पादन सुधार सके।

उदाहरण 4. एक बिज़नेस साइकिल बनाता है। सरकार ने अचानक पेट्रोल और डीज़ल पर टैक्स बढ़ा दिया, जिससे आने-जाने का खर्च बढ़ गया। इससे इस बिज़नेस पर क्या असर होगा?

› पहला कदम, पहचानो कि यह किस प्रकार का पर्यावरण है। 'टैक्स' और 'खर्च' पैसों से जुड़े हैं, तो यह 'आर्थिक पर्यावरण' का हिस्सा है।

› दूसरा कदम, समझो कि पेट्रोल-डीज़ल महंगा होने से लोगों पर क्या असर पड़ेगा। लोगों के आने-जाने का खर्च बढ़ जाएगा, तो उनकी 'प्रयोज्य आय' (खर्च करने लायक पैसा) कम हो जाएगी।

› तीसरा कदम, सोचो कि कम प्रयोज्य आय का साइकिल बिज़नेस पर क्या असर होगा। जब लोगों के पास खर्च करने को कम पैसे होंगे, तो वे साइकिल जैसी चीजें कम खरीदेंगे।

› चौथा कदम, अनुमान लगाओ कि बिज़नेस के लिए इसका क्या मतलब है। साइकिल बिज़नेस की बिक्री घटेगी, उसे घाटा हो सकता है, या उसे कीमतें कम करनी पड़ सकती हैं।

उत्तर – पेट्रोल-डीज़ल पर टैक्स बढ़ने से लोगों की प्रयोज्य आय कम होगी, जिससे साइकिल बिज़नेस की बिक्री घट जाएगी और उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है।

उदाहरण 5. एक कपड़े की कंपनी भारत में अपनी नई 'वेस्टर्न वियर' (पश्चिमी कपड़े) की रेंज लॉन्च करना चाहती है। उन्हें किन सामाजिक पर्यावरण के कारकों पर विचार करना चाहिए?

› पहला कदम: समाज के रीति-रिवाज और मूल्य। क्या भारत में पश्चिमी कपड़े पहनना अब ज़्यादा स्वीकार्य हो गया है? क्या ग्रामीण इलाकों में लोग इसे पसंद करेंगे या सिर्फ शहरों में?

› दूसरा कदम: सामाजिक बदलाव। क्या युवा पीढ़ी पश्चिमी कपड़ों को ज़्यादा प्राथमिकता दे रही है? महिलाओं की स्वतंत्रता और कार्यबल में भागीदारी बढ़ने से उनके कपड़ों की पसंद पर क्या असर पड़ रहा है?

› तीसरा कदम: समाज की अपेक्षाएँ। क्या समाज पश्चिमी कपड़ों में भी 'मॉडेस्टी' (शालीनता) या 'कम्फर्ट' (आराम) की उम्मीद रखता है? क्या कपड़ों की क्वालिटी और टिकाऊपन भी एक अपेक्षा है?

› चौथा कदम: धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता। कहीं ऐसा तो नहीं कि कंपनी के डिजाइन किसी खास धर्म या संस्कृति का अनादर करें? इन सभी बातों पर ध्यान देने से ही कंपनी सफल हो पाएगी।

उत्तर – कपड़े की कंपनी को भारतीय समाज के बढ़ते पश्चिमीकरण, युवाओं की बदलती पसंद, महिलाओं की बढ़ती कार्यबल भागीदारी, और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर ही अपनी 'वेस्टर्न वियर' रेंज को डिज़ाइन और प्रमोट करना चाहिए।

उदाहरण 6. एक कपड़े की दुकान अपनी बिक्री कैसे बढ़ा सकती है, अगर उसके शहर में ज़्यादातर लोग अब ऑनलाइन शॉपिंग करने लगे हैं?

› पहला कदम होगा, यह पहचानना कि 'ऑनलाइन शॉपिंग' एक प्रौद्योगिकीय बदलाव है।

› दूसरा कदम, दुकान को अपनी खुद की ऑनलाइन वेबसाइट या ऐप बनानी चाहिए।

› तीसरा कदम, ऑनलाइन पेमेंट के विकल्प जैसे UPI, कार्ड या नेट बैंकिंग को स्वीकार करना।

› चौथा कदम, डिलीवरी की सुविधा देना ताकि ग्राहक घर बैठे सामान मंगवा सकें।

› पांचवा कदम, ग्राहकों तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया मार्केटिंग का इस्तेमाल करना।

› छठा कदम, डेटा एनालिसिस का इस्तेमाल करके ग्राहकों की पसंद को समझना और उसी हिसाब से नए प्रोडक्ट लाना।

उत्तर – कपड़े की दुकान ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और डिजिटल मार्केटिंग का इस्तेमाल करके अपनी बिक्री बढ़ा सकती है, जिससे वह बदलते प्रौद्योगिकीय पर्यावरण के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सके।

उदाहरण 7. एक नई सरकार आती है और वह 'स्वच्छ भारत' अभियान के तहत प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगा देती है। इससे प्लास्टिक बनाने वाली कंपनियाँ और प्लास्टिक पैकेजिंग का इस्तेमाल करने वाले उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

› पहला कदम: सरकार का निर्णय (प्लास्टिक पर प्रतिबंध) एक राजनैतिक फैसला है।

› दूसरा कदम: प्लास्टिक बनाने वाली कंपनियों को अपना उत्पादन बंद करना होगा या कोई दूसरा विकल्प खोजना होगा।

› तीसरा कदम: प्लास्टिक पैकेजिंग का इस्तेमाल करने वाले उद्योगों (जैसे खाने-पीने का सामान, बोतलें बनाने वाले) को भी अपनी पैकेजिंग बदलनी पड़ेगी, जिससे उनकी लागत बढ़ सकती है।

› चौथा कदम: नए विकल्प जैसे जूट, पेपर या कांच की पैकेजिंग बनाने वाली कंपनियों को फायदा होगा।

उत्तर – प्लास्टिक उद्योग को भारी नुकसान होगा, जबकि पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। यह राजनैतिक पर्यावरण में बदलाव का सीधा उदाहरण है।

उदाहरण 8. एक कंपनी अपनी नई कोल्ड ड्रिंक का विज्ञापन टीवी पर दिखाना चाहती है। विधिक पर्यावरण के अनुसार उसे किन बातों का ध्यान रखना होगा?

› पहला कदम: कंपनी को 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम' (Consumer Protection Act) के नियमों की जानकारी लेनी होगी।

› दूसरा कदम: उसे यह देखना होगा कि विज्ञापन में कोई भ्रामक जानकारी (गलत जानकारी) तो नहीं है जो उपभोक्ता को गुमराह करे।

› तीसरा कदम: कंपनी को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विज्ञापन 'विज्ञापन मानक परिषद' (Advertising Standards Council of India - ASCI) के दिशानिर्देशों का पालन करे, जैसे कबिच्यों को लक्ष्य बनाकर हानिकारक चीज़ों का विज्ञापन न हो।

› चौथा कदम: अगर कोल्ड ड्रिंक में चीनी की मात्रा ज्यादा है, तो यह भी बताना पड़ सकता है कि यह स्वास्थ्य के लिए कितनी उचित है, क्योंकि कुछ देशों में ऐसे नियम बन रहे हैं।

उत्तर – कंपनी को कानूनी रूप से सही, गैर-भ्रामक और सभी नियामक निकायों द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने वाला विज्ञापन बनाना होगा।

उदाहरण 9. स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत की आर्थिक स्थिति कैसी थी? तीन मुख्य बिंदु बताओ।

› पहला बिंदु: भारत की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित थी।

› दूसरा बिंदु: ज्यादातर लोग (लगभग 70%) कृषि में लगे थे और 80% आबादी गांवों में रहती थी।

› तीसरा बिंदु: देश में व्यापक गरीबी थी, उत्पादन की तकनीकें पुरानी थीं और स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव था।

उत्तर – स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित, ग्रामीण और गरीबी तथा निम्न उत्पादकता से ग्रस्त थी।

उदाहरण 10. 1991 के आर्थिक संकट के किन्हीं तीन प्रमुख कारणों की सूची बनाइए।

› पहला कारण था 'राजस्व संकट'। इसका मतलब है कि सरकार को जितना पैसा टैक्स और अन्य स्रोतों से मिलना चाहिए था, वह बहुत कम हो गया था। सरकार का खर्च ज्यादा था और कमाई कम, जिससे बहुत बड़ा घाटा हो रहा था।

› दूसरा कारण था 'विदेशी मुद्रा की भारी कमी'। सोचो, जब हमें विदेश से कोई सामान खरीदना होता है, जैसे पेट्रोल या मशीनें, तो हमें उन्हें डॉलर में पैसे देने पड़ते हैं। 1991 में हमारे पास डॉलर बिल्कुल खत्म होने वाले थे, सिर्फ एक हफ्ते के आयात के पैसे बचे थे।

› तीसरा कारण था 'उच्च मुद्रास्फीति' यानी भयंकर महंगाई। रोजमर्रा की चीज़ों के दाम बहुत तेज़ी से बढ़ रहे थे, जिससे आम लोगों का जीना मुश्किल हो गया था। कीमतें 13-14 प्रतिशत तक बढ़ गई थीं, जो बहुत ज्यादा था।

› चौथा कारण था देश पर बढ़ता हुआ कर्ज़। सरकार ने देश के अंदर और बाहर, दोनों जगह से बहुत कर्ज़ ले रखा था और उसका ब्याज चुकाना भी मुश्किल हो रहा था।

› पाँचवाँ कारण था विदेशी निवेशकों का भरोसा खो जाना। जब देश की अर्थव्यवस्था खराब होती है, तो कोई भी उस देश में पैसा लगाना नहीं चाहता। भारत के साथ भी यही हुआ।

› इन सब कारणों से देश की आर्थिक स्थिति इतनी बिगड़ गई कि हमें अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे IMF से मदद लेनी पड़ी और इसके लिए अपनी नीतियां बदलनी पड़ीं।

उत्तर – 1991 के आर्थिक संकट के तीन प्रमुख कारण थे: राजस्व संकट, विदेशी मुद्रा की भारी कमी, और उच्च मुद्रास्फीति।

उदाहरण 11. मान लीजिए एक भारतीय कंपनी है जो पहले सिर्फ भारत में ही व्यापार कर सकती थी और उसे नया कारखाना लगाने के लिए ढेरों सरकारी अनुमतियां लेनी पड़ती थीं। 1991 के आर्थिक सुधारों ने उसे कैसे मदद की?

› उदारीकरण (Liberalisation) के तहत, सरकार ने कारखाने लगाने और व्यापार करने के लिए लाइसेंस की अनिवार्यता को खत्म कर दिया या बहुत कम कर दिया।

› निजीकरण (Privatisation) से निजी कंपनियों को आगे बढ़ने का मौका मिला, सरकारी एकाधिकार कम हुआ, जिससे इस भारतीय कंपनी को बाजार में और अवसर मिले।

› वैश्वीकरण (Globalization) के कारण, यह कंपनी अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि दुनिया के दूसरे देशों में भी अपने उत्पादों को बेच सकती है या वहाँ से तकनीक ला सकती है।

उत्तर – संक्षेप में, LPG सुधारों ने इस भारतीय कंपनी को व्यापार करने की स्वतंत्रता दी, नए बाजार के अवसर दिए, और उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद की।

उदाहरण 12. विमुद्रीकरण के किन्हीं दो उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

› पहला उद्देश्य था भ्रष्टाचार पर रोक लगाना। सरकार चाहती थी कि लोग गैर-कानूनी तरीके से पैसा इकट्ठा न कर पाएं, और अगर उनके पास ऐसा धन है तो उसे बैंक में जमा करके कानूनी प्रक्रिया से गुजरें।

› दूसरा उद्देश्य था काले धन पर अंकुश लगाना। काला धन वह पैसा होता है जिस पर टैक्स नहीं चुकाया गया होता। विमुद्रीकरण से ऐसे धन को सिस्टम में लाना मुश्किल हो गया, जिससे सरकार को टैक्स वसूलने में मदद मिली।

› एक और अहम उद्देश्य था नकली नोटों पर रोक लगाना। 500 और 1000 के नकली नोट बहुत चल रहे थे, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा था। नोट बंद होने से ये नकली नोट बेकार हो गए।

› साथ ही, आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होने वाले पैसों को भी रोकना इसका एक मकसद था, क्योंकि इन गतिविधियों के लिए अक्सर बड़े नोटों का इस्तेमाल होता था।

उत्तर – विमुद्रीकरण के दो मुख्य उद्देश्य थे: भ्रष्टाचार को रोकना और काले धन पर अंकुश लगाना।

उदाहरण 13. विमुद्रीकरण के कारण डिजिटल लेन-देन में किस प्रकार वृद्धि हुई, उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

› विमुद्रीकरण के बाद 500 और 1000 रुपये के नोट चलन से बाहर हो गए।

› लोगों के पास कैश की कमी हो गई, जिससे उन्हें दैनिक ज़रूरतें पूरी करने में परेशानी होने लगी।

› इस कमी को पूरा करने के लिए लोगों ने बैंक खातों का और डिजिटल भुगतान माध्यमों जैसे UPI, Paytm, Google Pay का उपयोग करना शुरू किया।

› बैंकों में जमा राशि बढ़ी और लोगों ने डेबिट/क्रेडिट कार्ड का उपयोग भी अधिक किया।

› धीरे-धीरे डिजिटल भुगतान की आदत बन गई और नए उपयोगकर्ता इन प्लेटफॉर्मों से जुड़ते गए, जिससे डिजिटल लेन-देन में भारी वृद्धि हुई।

उत्तर – विमुद्रीकरण ने लोगों को कैश की जगह डिजिटल माध्यमों का प्रयोग करने के लिए मजबूर किया, जिसके परिणामस्वरूप नए उपयोगकर्ताओं और लेन-देन की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

बोर्ड परीक्षा के लिए खास

• आर्थिक पर्यावरण के प्रमुख घटकों (ब्याज दर, मुद्रास्फीति दर, प्रयोज्य आय, आदि) को याद रखें और प्रत्येक का व्यवसाय पर पड़ने वाले प्रभाव को उदाहरण सहित समझें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर स्वतंत्रता के बाद की आर्थिक नीतियों और उनके प्रभावों पर प्रश्न पूछे जाते हैं। इन बिंदुओं को अच्छे से समझ लेना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर '1991 के आर्थिक संकट के कारण' या 'आर्थिक सुधारों की आवश्यकता क्यों पड़ी' जैसे प्रश्न आते हैं। कारणों को बिंदुओं में याद रखना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। विमुद्रीकरण के विभिन्न प्रभावों को उदाहरणों के साथ अच्छी तरह से समझें और याद रखें, खासकर मुद्रा, डिजिटलीकरण और कर संग्रह पर प्रभावों को।

एक नज़र में रिवीज़न

- › आर्थिक पर्यावरण = ब्याज दर, मुद्रास्फीति, प्रयोज्य आय, शेयर बाजार, रुपये का मूल्य।
- › स्वतंत्रता के बाद: कृषि आधारित, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सरकार का नियंत्रण।
- › 1991 संकट: राजस्व, विदेशी मुद्रा कमी, उच्च महंगाई, बढ़ते कर्ज़।
- › विमुद्रीकरण ने मुद्रा, निजी संपत्ति, डिजिटलीकरण, कर संग्रह पर गहरा प्रभाव डाला।